**भारत सरकार**

**मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय**

**पशुपालन और डेयरी विभाग**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या- 3845**

**जिसका उत्तर दिनांक 17 मार्च, 2020 को दिया जाना है**

## मवेशियों में ग्रंथि संबंधी रोग

3845. कुंवर दानिश अलीः

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि मवेशियों में ग्रंथियों की बीमारी का खतरा लगातार बढ़ रहा है और उत्तर प्रदेश के मवेशी, घोड़ों की इस बीमारी से अधिक संक्रमित हो रहे हैं और इस बीमारी के उत्तर प्रदेश से हरियाणा और अन्य राज्यों में फैलने का खतरा है और यह पशु रोग मनुष्यों के लिए भी खतरा हो सकता है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) क्या सरकार ने इस बीमारी की रोकथाम और उपचार के लिए कोई समिति गठित की है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री**

**(डॉ. संजीव कुमार बालियान)**

**(क)** जी नहीं, उत्तर प्रदेश राज्य में गोपशुओं में ग्लैंडर्स रोग की कोई घटना नहीं हुई है। ग्लैंडर्स रोग, अश्वीय प्रजातियों जैसे- घोड़ों, गधों और खच्चरों का एक संक्रामक तथा घातक रोग है। तथापि, ओआईई पारिस्थितिकी संहिता, 2019 के अनुसार बताया जाता है कि गोपशु इस रोग के

प्रतिरोधी हैं। ग्रंथि संबंधी रोग प्रकृति में जूनोटिक है। उत्तर प्रदेश, हरियाणा तथा अन्य राज्यों में अश्वीय प्रजातियों में इस रोग की घटनाएं कभी-कभार सूचित की गई हैं।

**(ख) से (घ)**- इस रोग की रोकथाम तथा उन्मूलन के लिए केन्द्रीय सरकार ने एक राष्ट्रीय कार्य योजना विकसित करने हेतु एक समिति का गठन किया है। तदनुसार, ग्रंथि संबंधी रोग की रोकथाम तथा उन्मूलन के लिए समिति ने राष्ट्रीय कार्य योजना 2019 तैयार की है। इस विभाग ने सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को उनकी ओर से कार्रवाई करने हेतु राष्ट्रीय कार्य योजना 2019 परिचालित की है। इसके अलावा, इस रोग की रोकथाम के लिए परामर्श जारी किए गए हैं जिनमें संक्रमित एवं संपर्क में रहने वाले पशुओं का संगरोध, अधिसूचित क्षेत्र में तथा उसके बाहर पशुओं की आवाजाही पर प्रतिबंध, प्रभावित पशुओं को दूर रखना, कंकाल को उपयुक्त रूप से समाप्त करना, प्रभावित परिसरों का विसंक्रमण करना और स्थानीय पशुचिकित्सा प्राधिकारी के पर्यवेक्षण के अधीन जीव-स्वच्छता उपायों को लागू करना शामिल है।

****